हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, सोमवार 4 अगस्त 2025

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

04 नपाध्यक्ष के वार्ड में ही दलदली साम्राज्य...

07 कलेक्टर कराएंगे मेडिकल कॉलेज की ...

खबर संक्षेप

प्रगतिशील किसानों के लिए पुरस्कार आवेदन आमंत्रित

सागर। कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने और उत्पादन वृद्धि में योगदान देने वाले प्रगतिशील किसानों को पुरस्कृत करने के उद्देश्य से "सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन " अंतर्गत आत्मा परियोजना के तहत विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। मूल्यांकन वर्ष 2024-25 हेतु यह प्रक्रिया शुरू की गई है, जिसमें इच्छुक किसान 31 अगस्त तक अपने आवेदन जमा कर सकते हैं। उप संचालक सह परियोजना संचालक आत्मा, सागर द्वारा जानकारी दी गई कि आवेदन आत्मा जिला कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। विकासखंड स्तर पर कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य और कृषि अभियांत्रिकी क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कृषकों को चयनित किया जाएगा। विकासखंड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक को 10,000 एवं जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक को 50,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इच्छुक कृषक आत्मा परियोजना कार्यालय, सागर से संपर्क कर आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

सहायक संचालक शिक्षा ने किया स्कूल का निरीक्षण

सागर। संयुक्त संचालक शिक्षा से सहायक संचालक अनीता अहिरवार मनीषा अलेक्जेंडर, आशुतोष गोस्वामी ने बमोरी बीका हायर सेकेंडरी स्कूल का दोपहर 1:00 बजे निरीक्षण किया जिसमें सभी कक्षाएं विधिवत संचालित पाई गई सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित पाए गए एक शिक्षक अवकाश पर थी। स्कूल में पेड़ पौधे के रखरखाव एवं पर्यावरण पर प्रसन्नता व्यक्ति की स्कूल में बेसलाइन टेस्ट मासिक टेस्ट साइकिल पुस्तकों के वितरण के बारे में जानकारी प्राप्त की संस्था में सभी प्रकार की गतिविधि शासन के नियम अनुसार संचालित पाई गई स्कूल में प्राचार्य सविता मिश्रा मयंक नेमा नीतू यादव कल्पना श्रीवास्तव आशीष वर्मा सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

फलदार व छायादार पौधों का किया गया पौधरोपण

सागर। प्रधानमंत्री भारत सरकार एवं मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन के द्वारा जारी अभियान एक पेड़ मां के नाम एवं डीजी द्वारा वीसी में दिए गए निर्देशानुसार आज होमगार्ड प्रशिक्षण केंद्र बागखेजरा सागर में 100 फलदार एवं छायादार पौधों का वृक्षारोपण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर लोकेश कुमार सिन्हा एवं सरपंच ग्राम बागखेजरा के आतिथ्य में किया गया, जिसमें डिस्ट्रिक्ट कमान्डेंट ललित कुमार उददे, डिवीजन कार्यालय का समस्त स्टाफ एवं डिस्ट्रिक्ट कार्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

भूमि संबंधी विवाद होने पर दोनों पक्षों पर करें सख्त कार्रवाई

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर ने समस्त राजस्व अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी भूमि संबंधी विवाद होने पर दोनों पक्षों पर सख्त कार्रवाई करें और आवश्यकता पड़ने पर भूमि विवाद के दोनों पक्षों पर बाउंड ओवर 107- 16 की कार्रवाई सुनिश्चित की जावे। इसी के साथ सभी राजस्व अधिकारी ग्रामों में कैंप लगाकर भूमि संबंधी विवाद एवं अन्य राजस्व प्रकरणों का निराकरण करें। कैंप लगाने के पूर्व ग्राम में मुनादी की जावे एवं मुनादी के समय एवं तारीख स्पष्ट रूप से बताई जावे। कलेक्टर संदीप जी आर ने कहा कि सभी ग्राम पंचायतों में कैंप लगाए जिससे की भूमि संबंधी विवाद कहीं भी ना हो और यदि होता है तो इसके लिए संबंधित क्षेत्र के राजस्व अधिकारी पूर्ण रूप से जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि भूमि विवाद के समय पुलिस से समन्वय बनाएं और मिलकर एक साथ कार्रवाई करें आवश्यकता पड़ने पर 151 के तहत जेल भेजने की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए।

बचपन से डॉक्टर बनने का सपना देखा और उसे मेहनत व लगन से साकार किया

कहानी सच्ची है: परिवार की विरासत को आगे बढ़ाते हुए डॉ सजल जैन बने मरीजों की सेवा के प्रेरणास्रोत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

कहते हैं अगर लक्ष्य बड़ा हो और उस तक पहुँचने की जिद दिल में हो, तो कोई भी राह कठिन नहीं होती। इस बात को सच कर दिखाया है बण्डा निवासी डॉ सजल जैन ने। आज वे अपने दादा डॉ पूर्णचंद्र जैन और पिता स्व. विजय कुमार जैन के दिखाए सेवा मार्ग पर चलते हुए समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बन चुके हैं।

डॉ सजल जैन का परिवार चिकित्सा सेवा की दृष्टि से क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। उनके दादा डॉ पूर्णचंद्र जैन बण्डा नगर के पहले डॉक्टरों में गिने जाते है। वे एक जिम्मेदार, दयालु और समर्पित चिकित्सक के रूप में वर्षों तक क्षेत्रवासियों की सेवा कर रहे। निःस्वार्थ भाव से रोगियों का इलाज करना, उन्हें परिवार जैसा स्नेह देना, यही उनकी पहचान थी। वे न सिर्फ डॉक्टर थे बल्कि लोगों के दुःख-सुख के साथी भी थे। इसी विरासत को आगे बढ़ाया स्विजय कुमार जैन ने। पेशे से डॉक्टर होने के साथ-साथ वे एक सज्जन, विनम्र और सेवा भाव से भरपूर व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने चिकित्सा को केवल पेशा नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम माना। गरीबों, असहायों और जरूरतमंदों के लिए हमेशा उनके द्वार खुले रहते थे। आज भी डां सजल जिन मरीज के पास पैसा नही रहता और वह बहुत ही गरीब रहता है तो उनका निशुल्क इलाज करते है, उनका मानना है मरीज को ठीक करना डां का कर्तव्य है।अपने बचपन से ही सजल जैन ने घर के वातावरण से चिकित्सा सेवा का जो संस्कार पाया, वह उनके सपनों का आधार बना। उन्होंने मन में ठान लिया था कि एक दिन वे भी सेवा ही धर्म है की परंपरा को आगे ले जाएंगे।इनकी पढाई की बात करे तो - कक्षा 10वीं की पढ़ाई कृष्णा पब्लिक स्कूल, भिलाई से की, 12वीं की शिक्षा इमैनुएल इंग्लिश स्कूल, सागर से प्राप्त की , इसके बाद बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज, सागर से एमबीएस कर डॉक्टर बनने का सपना साकार किया, पहले चिकित्सा अधिकारी के रूप में सीएचसी बण्डा में सेवा दे चुके हैं। डां सजल जैन न केवल एक कुशल चिकित्सक हैं बल्कि एक संवेदनशील और अनुशासित इंसान भी हैं। मरीजों के साथ आत्मीय व्यवहार, सटीक निदान और ईमानदार परिश्रम उनके व्यक्तित्व की पहचान बन चुका है। वे कहते हैं, मेरे डॉक्टर बनने का श्रेय मेरे दादाजी और पिताजी को जाता है। उन्हीं की प्रेरणा से मैंने इस क्षेत्र को चुना और आज भी उनकी सीख मुझे हर मरीज की सेवा करते समय मार्गदर्शन देती है।

डॉ सजल जैन अकेले नहीं, बल्कि उनके छोटे भाई डॉ अचिंत्य जैन और बहन डॉ हर्षिता जैन भी चिकित्सा सेवा में समर्पित हैं। यह पूरा परिवार चिकित्सा के क्षेत्र में कार्यरत है, जो अपने आप में एक मिसाल है। डॉ अचिंत्य जैन, वर्तमान में सिविल अस्पताल बण्डा में पदस्थ हैं और अपनी सेवाओं से 7 क्षेत्रवासियों का विश्वास जीत रहे हैं। डॉ हर्षिता जैन भी चिकित्सा जगत में सक्रिय हैं और सेवा को ही धर्म मानती हैं। तीनों भाई-बहन का डॉक्टर होना और सेवा की भावना से कार्य करना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

बण्डा नगर और आसपास के क्षेत्रवासियों के लिए यह गर्व की बात है कि यहां से निकलकर एक युवा डॉक्टर ने न केवल अपने परिवार की विरासत को आगे बढ़ाया, बल्कि सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दे रहे हैं। लोग उन्हें सिर्फ डॉक्टर नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के प्रेरक आदर्श के रूप में देख रहे हैं। डॉ सजल जैन को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएं। उनके कार्य से क्षेत्र को गर्व है और उम्मीद है कि वे आने वाले वर्षों में चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूएंगे।

रक्षा बंधन के पहले नपा कर्मचारियों को मिला वेतन, कर्मचारियों ने जताया आभार

गढाकोटा। रक्षाबंधन का पावन पर्व आने ही वाला है अतः विधायक गोपाल भार्गव के निर्देशानुसार रक्षाबंधन पूर्व ही न. पा. गढाकोटा के समस्त कर्मचारी के वेतन की राशि 1 अगस्त को उनके खातों में पहुंचा दी गई है। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज तिवारी ने कहा कि ऐसा करने का एक मात्र उद्देश्य यहीं था कि हमारे कर्मचारी भाईयों को त्यौहार के समय किसी भी समस्या का सामना ना करना पड़े क्योंकि रक्षाबंधन का यह पर्व पवित्र बंधन का त्यौहार है जिसमें सामग्री खरीदी के लिए भाव के साथ साथ राशि की भी आवश्यकता पड़ती है। समस्त कर्मचारी भाईयों को उनके वेतन आने की प्रसन्नता इतनी थी कि उन्होंने इस खुशी और प्रसन्नता की पूर्ति मेरा एवं सीएमओ, परिषद का सम्मान करके पूर्ण की। अतः कर्मचारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष, सीएमओ एवं परिषद का आभार व्यक्त किया। आप सभी का यह रक्षाबंधन पर्व सुखद और मंगलमय हो ऐसी प्रार्थना करते हैं। क्योंकि जब त्यौहार, उत्सव आते हैं तो नौकरी पेसा लोगों को अपने वेतन की बड़ी आशा एवं उम्मीद रहती है कि यदि उनका वेतन त्यौहार, पर्व के पहले आ जाए तो उन्हें यह वेतन दोगुनी खुशी एवं संबल प्रदान करता है। इस अवसर पर न. पा. सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पार्षद राजेन्द्र यादव, पं. रमेश मिश्रा, देवेंद्र यादव एवं शेख सगीर कुरेशी राजू चच्चा के साथ साथ समस्त कर्मचारी बंधुओं की उपस्थिति रही।

3 एंबुलेंस से 19 मरीजों को निशुल्क इलाज के लिए भेजा भोपाल

गढाकोटा। शिल्पी अभिषेक भार्गव द्वारा संचालित वेदिका फाउंडेशन के तहत रविवार को 3 एंबुलेंस से 19 मरीजों के लिए भोपाल की अस्पतालों में निशुल्क इलाज हेतु भेजा गया। मरीज जिनमें गिरजा नगाइच उम्र 45 धुरा, रेवती दुबे 74 मुहली, दुली चढार 82 हिलगन, मिहीलाल कुर्मी 65 पिपरिया गोपाल, संदीप राजोरिया 35 बरखेड़ा सिकंदर, भगवती चौरसिया 46 बाजार वार्ड गढ़ाकोटा, सहदेव पटेल 31 वार्ड नंबर 2 रहली, अहिल्या अहिरवार 50 छुल्ला, दामोदर पटेल 41 गिरवर, संतोष कुर्मी 39 छुल्ला, देवेंद्र जैन48 छुल्ला, कन्हैया पटेल 57 साबूलाल वार्ड गढ़ाकोटा, कस्तूरी कुर्मी 65 वार्ड नंबर 15 शाहपुर, माया रानी कुर्मी 42 सावल खिरिया, मुकेश कुर्मी 35 सलैया, राजू पटेल 35 संजरा, जगन्नाथ लोहारिया 55 आबचंद, रामरति ठाकुर 55 बढ़गान शामिल हैं। वेदिका फाउंडेशन के तहत हर रविवार को मरीजों के लिए भोपाल भिजवाया जा रहा है। जहां भोपाल स्थित पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव के बंगले पर मरीज को भोजन ठहरने की व्यवस्था होती है। और वहां कर्मचारी इलाज के लिए मरीजों को अस्पतालों में ले जाते हैं।

वरिष्ठ प्राचार्य अरूणा शास्त्री हुई सेवानिवृत

गढाकोटा। सागर जिले के रहली विकासखण्ड के गढाकोटा में शिक्षा विभाग में 35 वर्ष तक एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रहली में 5 वर्ष रहकर सेवानिवृत्त प्राप्ति की शास्त्री के सेवानिवृत्त होने पर रहली में सेवा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्रीय विधायक व पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव द्वारा सम्मान किया गया इस अवसर पर शिक्षक शिक्षिकाऐ एवं अन्य अतिथि जन उपस्थित थे।

स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान में शासन के निर्देशों का अक्षरशः पालन करें: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के अनुसार मध्यप्रदेश में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता : स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान तीन चरणों में चलाया जायेगा जिसमें सागर जिले में सभी विभाग के विभाग अधिकारी कर्मचारी अक्षरशः पालन करते हुए करेंगे । उक्त निर्देश कलेक्टर संदीप जी आर ने दिए।

कलेक्टर संदीप जी आर ने बताया कि प्रथम चरण में 3 से 8 अगस्त तक देशभक्ति के वातावरण का जागरण तथा तिरंगे पर केन्द्रित सार्वजनिक कार्यक्रम, चर्चाएँ आयोजित की जाएंगी। साथ ही तिरंगा से प्रेरित कला, तिरंगा प्रदर्शनी का प्रदर्शन, तिरंगा रंगोली, तिरंगा राखी निर्माण, तिरंगा बुनाई, तिरंगा पर प्रश्नोत्तरी, तिरंगे के लिए स्वयं सेवा, तिरंगा सजावट और प्रकाश व्यवस्था तथा सैन्य बलों के जवानों और पुलिसकर्मियों को पत्र लेखन आदि गतिविधियां संचालित होगी।

कलेक्टर संदीप जी आर ने बताया कि अभियान के द्वितीय चरण में 9 से 12 अगस्त तक लोगों को साथ लाने, व्यापक प्रचार-प्रसार, ध्वजों की उपलब्धता तथा सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगे की दृश्यता के लिये कार्य किये जायेंगे। स्थानीय उत्पादों पर केंद्रित तिरंगा मेला, तिरंगा बाइक/तिरंगा साइकिल रैली, उच्च जनभागीदारी के साथ तिरंगा यात्रा, तिरंगा ध्वज की बिक्री और समुचित व्यवस्था, मानव श्रृंखला निर्माण, तिरंगा गान जैसे कार्यक्रम होंगे।

अभियान के तृतीय चरण में 13 से 15 अगस्त तक घर, कार्यालयों तथा वाहनों पर तिरंगा लगाने, सेल्फ़ी अपलोड, सर्वत्र तिरंगे की दृश्यता तथा संस्कृति मंत्रालय के साथ सूचनाओं का सतत आदान-प्रदान किया जायेगा। हर जगह तिरंगा दृश्यता, तिरंगा के साथ रिकॉर्ड इत्यादि महत्वपूर्ण कार्यक्रम किये जायेंगे।

कलेक्टर संदीप जी आर ने बताया कि पंचायतों में इस प्रकार विविध गतिविधियाँ आयोजित की जाएगी जिसमें अभियान में स्वच्छ भारत मिशन (एसवीएम-जी) और जल-जीवन मिशन (जेजेएम) के अंतर्गत गांवों, ग्राम पंचायतों में विविध गतिविधियाँ होंगी, जिनमें स्वच्छ सुजल गांव प्रतिज्ञाएं, सामुदायिक सफाई अभियान, परिसंपत्तियों की सफाई, जागरूकता गतिविधियां, जल-संरक्षण और 15 अगस्त 2025 को अमृत सरोवर, सार्वजनिक स्थानों आदि सहित प्रमुख अवसंरचना स्थलों पर ध्वजारोहण समारोह शामिल है। यह प्रतीकात्मक कार्य सुरक्षित जल और स्वच्छता तक पहुंच द्वारा लाई गई स्वतंत्रता, गरिमा और कल्याण को दर्शाता है।

अभियान में ब्लॉकों और ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। इसमें स्थानीय संस्थाओं, ग्राम जल सेवा समितियों, स्वयं सहायता समूहों, पंचायती राज संस्थाओं, साथ ही स्कूली बच्चों, स्वयं-सेवकों और अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को इस अभियान का नेतृत्व करने और इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया जायेगा।

एक पेड़ मां के नाम अभियानः पौधरोपण किया

गढाकोटा। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गढ़ाकोटा में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एक पेड़ मां के नाम अभियान 05 जून से 30 सितंबर तक के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र -छात्रा इकाई द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अधिकारी आकृति खरे ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के महत्व को विस्तृत रूप से समझाया । साथ ही कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पधारे सुबोध विजय ने पर्यावरण संरक्षण में पौधरोपण के महत्वता को समझाया । महाराष्ट्र के सुबोध विजय ने बताया कि उनके अभियान का उद्देश्य पूरे भारत की साइकिल के द्वारा यात्रा करते हुए 1 लाख से अधिक वृक्षारोपण करना है । और अभी तक उन्होंने 37 हजार किमी की यात्रा साईकिल के द्वारा की है,और लगभग 09 राज्यों में 35 हजार से अधिक पौधरोपण किया है। कार्यक्रम के बाद महाविद्यालय परिसर में समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों द्वारा पौधारोपण किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित सुबोध विजय को सम्मान राशि भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में समस्त महाविद्यालय स्टाफ के साथ बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एनएनएस (छात्रा इकाई) प्रभारी सुश्री आकृति खरे ने किया और आभार एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी विनोद बागड़े ने माना ।

सिंधी कॉलोनी में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, झूलेलाल चालिहा महोत्सव में विश्व कल्याण की प्रार्थना

सागर। सिंधी कॉलोनी में सिंधी समाज का प्रमुख पर्व, झूलेलाल चालिहा महोत्सव, 16 जुलाई से 25 अगस्त 2025 तक पूरे धार्मिक उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। प्रवक्ता राजेश मनवानी ने बताया कि इस 40 दिवसीय महोत्सव के अंतर्गत आज चालिहा हाल में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। लालाराम मेठवानी और अध्यक्ष सुरेश मोहनानी के साथ सैकड़ों भक्तों ने विधि-विधान से पल्लव धारण कर भगवान झूलेलाल के समक्ष जल की आराधना की और विश्व शांति, सौहार्द और कल्याण की प्रार्थना की। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सिंधी समाज की सांस्कृतिक एकता और परंपराओं को भी जीवंत करता रहा। इस दौरान मंडली संस्थापक लालाराम मेठवानी, अध्यक्ष सुरेश मोहनानी, महिला मंडल अध्यक्ष दिया राजपूत, भारती मोहनानी, वीनू आहूजा, विजय निरंकारी,मोनिका मेठवानी, लीला आहूजा, रैना गोकलानी, दिलीप वाधवानी, पूर्व पार्षद पंकज सोनी, रुपेश मनवानी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री का पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया

सागर। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से सर्किट हाउस में युवा भाजपा नेता रिशांक तिवारी और सूर्यांश तिवारी ने पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

शीला वेयरहाउस में लगभग 15 दिन पहले हुई थी चोरी

पूर्व मंत्री के भाई के वेयरहाउस में हुई चोरी, चोरों का नहीं लगा सुराग

हरिभूमि न्यूज ⏭ गढाकोटा

सागर जिले के रहली विधानसभा से विधायक एवं पूर्व मंत्री पंडित गोपाल भार्गव के भाई श्रीराम भार्गव के शीला वेयरहाउस में लगभग 15 दिन पहले चोरी हुई थी जिसका पुलिस के द्वारा अभी तक कोई सुराग नहीं लगा सकी। शीला वेयर हाउस के मुनीम सतीश नामदेव ने थाना गढ़ाकोटा में जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसमें उन्होंने बताया था कि मैं 18 तारीख को सुबह शीला वेयर हाउस भटौली तिराहा ग्राम हिनौती पहुंचा और अपने ऑफिस में बैठा था तभी मुझे ग्राम का ही एक व्यक्ति मिला जो कहने लगा कि पिपरिया भटौली रोड वेयर हाउस के पीछे तरफ रोड पर गेहूं के दाने एवं खाली जूट की बोरी डली है तो मैंने वेयरहाउस के पीछे जाकर देखा तो 10 15 खाली जूट की बोरी डली थी एवं वहीं पर गेहूं और चना के दाने भी डले थे और वेयरहाउस के पीछे के चैनल गेट एवं शटर आधा खुला मिला। मैंने वेयरहाउस के अंदर जाकर देखा तो वेयर हाउस के अंदर से 27 बोरी चना की जूट वाली जो पीले रंग कि गुलाब की सूतरी से सिली थी एवं बोरी के ऊपर एससी एससी छापा था । प्रत्येक बोरी में 50 किलो चना भरा हुआ था जिसकी कीमत करीब 60 हजार है एवं 31 प्लास्टिक की बोरी जिसमें गेहूं भरा था प्रत्येक बोरी में गाय बछड़ा का छापा था,ओर 30 किलो प्रति वोरी गेहूं भरा हुआ था जिसकी कीमत करीब 23 हजार रुपए है। तथा पुरानी 25 प्लेट एवं 50 पाइप सेंटिंग के थे। जिनकी कीमत करीब 13 हजार रुपए कुल 96 हजार रुपए की चोरी वेयरहाउस से हुई है इसके बाद थाना गढ़ाकोटा पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई है फिलहाल पुलिस के हाथों कोई सुराग नहीं लगा है। गढ़ाकोटा में लगातार हो रही चोरी की वारदात सामने आना आम बात हो गई है । पुलिस चोरों को पकड़ने में नाकाम साबित हो रही है इस घटना के संबंध में श्रीराम भार्गव ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना को 15 दिन से अधिक हो गया है रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। लेकिन आज दिनांक तक पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई मैं थाना पुलिस से मांग करता हूं कि जल्द ही चोरी कि घटना को उजागर करे साथ ही चोरों को पकड़े।

इस मामले में थाना प्रभारी रजनीकांत दुबे से बात कि तो उन्होंने बताया कि चोरी घटना के संबंध जांच कि जा रही है।

स्नातक विषयों में 81 प्रतिशत से अधिक सीटें भरी, रिक्त सीटों के लिए होगी दूसरे चरण की काउन्सिलिंग

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में स्नातक विषयों में प्रवेश हेतु प्रथम चरण की (तीन दिवसीय) काउन्सिलिंग 01 अगस्त को सम्पन्न हुई। प्रवेश प्रकोष्ठ के मुख्य समन्वयक प्रोफेसर दिवाकर शुक्ला ने बताया कि स्नातक की कुल विज्ञापित 2398 सीटों पर प्रवेश लेने के लिए बड़ी संख्या में आवेदक उपस्थित हुये। प्रथम काउन्सिलिंग अंतिम दिन भी देर रात तक जारी रही। देर रात तकप्रवेश प्रकोष्ठ को प्राप्त आंकडों के अनुसार स्नातक में विभिन्न विषयों की कुल 2398 सीटों पर लगभग 1958 से अधिक प्रवेश हुए। जिसमें बी.बी.ए. एवं एकीकृत बी.एस.सी.-बीएड (गणित समूह) की सीटें फुल हो गई है। सर्वाधिक मांग कॉमर्स, बी.बी.ए., बी.एससी, बी.ए., विधि, भैषजिक एवं एकीकृत विषयों में रही। बड़ी संख्या में म.प्र. से बाहर के राज्यों के आवेदकों ने काउन्सिलिंग प्रक्रिया में भाग लिया, जिसमें प्रमुख रूप से उड़ीसा, बिहार, दिल्ली, उ.प्र., उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पं. बंगाल, केरल आदि से आवेदक एवं उनके प्रतिनिधि काउन्सिलिंग प्रक्रिया में शामिल हुए।प्राप्त आकड़ों के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रमों में 80 प्रतिशत से अधिक सीटें भरी गई. रिक्त सीटों पर दूसरे चरण की काउन्सिलिंग कराई जाएगी जिसके लिए विद्यार्थी नियमित वेबसाइट देखते रहे।

प्रतिनिधि ने अवैध मकान बताकर झाड़ा पल्ला, अगले वर्ष तक समाधान का आश्वासन

नपाध्यक्ष के वार्ड में ही दलदली साम्राज्य रोज जूझने को मजबूर स्कूली बच्चे

हरिभूमि न्यूज ⏭ बड़ागांव धसान

स्वच्छता अभियान, वार्ड वासियो को मूलभूत सुबिधाएं देने के लिए नगरीय क्षेत्र में जिस नगर पंचायत को शासन द्वारा मुख्य जिम्मेदारी दी गई है। अगर उसी नगर पंचायत की अध्यक्षा के वार्ड में ही गंदगी का साम्राज्य हो और लोगो को सुबिधाये न मिल रही हो तो ऐसी नगर पंचायत व नपाध्यक्ष के बारे में क्या कहा जाये..? ऐसी ही स्थिति बड़ागांव धसान नगर पंचायत की अध्यक्षा भारती प्रजापति के वार्ड क्रमांक 7 की है। जहाँ चहुओर कीचड़ का साम्राज्य है। जिससे प्रतिदिन जूझकर स्कूली मासूम छात्र छात्राओं को स्कूल जाना पड़ता है। बही दूसरी ओर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रामलाल प्रजापति ने ओकरा वार्ड के मकानो को ही अबैध बताकर उक्त समस्या की जड़ घोषित करते हुए अपना पल्ला झाड़ लिया। हालांकि उन्होने ये भी बताया कि उक्त वार्ड के लिए सीसी सड़क का टेंडर तो हो गया है लेकिन निर्माण कार्य शुरू होने में समय लगेगा।

वार्डवासियों की आशाओं पर कीचड़ फेर नपाध्यक्ष ने अंधकार में छोड़ा वार्ड

नपाध्यक्ष भारती प्रजापति के वार्ड क्रमांक 7 का भविष्य अंधकारमय है। जहां दलदलरूपी सड़क से गुजरकर अपना भविष्य बनाने का सपना लिए मासूम छात्र छात्राएं प्रतिदिन स्कूल जाते हैं। लेकिन बारिश के चलते बिगड़ी स्थिति की बजह से छात्र छात्राओं को बड़ी सतर्कता से दलदलरूपी सड़क को पार करना पड़ता है। सड़क पर जलभराव की बजह से गंदा पानी कीचड़ रूप में अपनी पैठ बनाये हुए है लेकिन नपाध्यक्ष भारती प्रजापति ने अपने संपूर्ण कार्यकाल में इस ओर ध्यान नहीं दिया। जबकि वार्ड क्रमांक 7 के वार्डवासियो ने बड़ी आशा से भारती प्रजापति को पार्षद और फिर अध्यक्ष बनाकर नगर पंचायत भेजा था। लेकिन वार्डवासियो की आशाओ पर नपाध्यक्ष भारती प्रजापति ने कीचड़ फेर दिया।

वोट लेकर जीतने के बाद अब अध्यक्ष प्रतिनिधि ने वार्ड में बने मकानों को बताया अवैध

जब उक्त संबंध में नपाध्यक्ष भारती प्रजापति के अध्यक्ष प्रतिनिधि रामलाल प्रजापति से बात की गई तो उन्होंने अपनी अध्यक्ष की उदासीनता को ढकने का प्रयास करते हुए वार्डवासियों पर ही दोषारोपण करते हुए बताया कि वार्ड क्रमांक 7 में बने मकान अवैध हैं। क्योंकि इन मकानों को लोगों ने अपने खेतों व सरकारी जमीन पर बनाया है। जिसकी वजह से सड़क पर जलभराव होने से कीचड़ की स्थिति बन रही है। जब उक्त संबंध में वार्डवासियों से पूंछा गया तो उन्होंने नाराज होते हुए कहा कि जब वार्ड पार्षद का चुनाव जीतना था। तब इन्ही अवैध मकानों में रहने वाले लोगों से हांथ जोड़ वोट मांगे गये। और जीत हासिल कर नपाध्यक्ष बन गये। चुनाव जीतने के बाद फिर वार्ड की तरफ पीछे मुड़कर नहीं देखा। और अब वार्डवासियों पर ही दोषारोपण किया जा रहा।

नगरीय प्रशासन के सामने सीएम हेल्पलाइन भी फेल

अंधकारमय वार्ड क्रमांक 7 के वार्ड वासी प्रमोद अहिरवार ने बताया कि नगर पंचायत में इस कदर तानाशाही व्याप्त है कि हमने कई बार नगर पंचायत में जाकर शिकायत की और सीएम हेल्पलाइन 181 पर भी शिकायत की, लेकिन हमारी शिकायत का निराकरण किये बिना नगरीय प्रशासन द्वारा जबरन बंद करवा दिया जाता है। वार्डवासियों ने बताया कि वार्ड क्रमांक 7 की असल स्थिति को दलदली सड़क स्वयं बता रही है। वार्ड नंबर 7 में बच्चे स्कूल जाने के लिए परेशान हो रहे। वार्डवासियो ने हताश होते हुए कहा कि नगर पंचायत बड़ागांव में विकास के बारे में सोचना बेईमानी होगी।

विगत दो वर्ष से वार्ड क्रमांक 7 में सीसी रोड के नाम पर खेला जा रहा टेंडर का खेल

वार्ड क्रमांक 7 की समस्या को लेकर जब नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रामलाल प्रजापति से बात की गई तो उन्होंने बताया कि दो वर्ष पूर्व वार्ड में सीसी सड़क निर्माण के लिए टेंडर स्वीकृत किया गया था जो बड़ागांव के ही किसी विजय ठेकेदार को मिला था लेकिन ठेकेदार ने सीसी सड़क निर्माण का कार्य नहीं किया। जिसके दो वर्ष बाद अब पुनः टेंडर स्वीकृत किया गया है। लेकिन अभी सीसी सड़क निर्माण में समय लगेगा। अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रजापति के बताये अनुसार वार्ड क्रमांक 7 के वार्ड वासियो को इस वर्ष भी कीचड़ से राहत नहीं मिलेगी। अगर टेंडर प्रक्रिया सुचारु रुप से चालू रही तो शायद अगले वर्ष वार्डवासियो को कीचड़युक्त सड़क से राहत मिलने के सिर्फ आसार है।

छत से पानी टपकता देख जताई सख्त नाराज़गी

गंदगी की स्वयं सेल्फी लेकर सीएमओ को भेज कलेक्टर ने दिखाया आईना

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

रविवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण करने पहुंचे कलेक्टर विवेक श्रोतिय न केवल व्यवस्थाओं का जायजा लेने आए थे, बल्कि इस बार उनके साथ आई थी एक अलग ही कार्यशैली, जो गंदगी देख कर नाराज़गी ज़ाहिर करने तक सीमित नहीं थी, बल्कि उन्होंने अपने मोबाइल से गंदगी की सेल्फी ली और नगर पालिका सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया को उसी समय व्हाट्सएप पर भेजकर सफाई के प्रति बरती जा रही उदासीनता को लेकर आईना दिखाया। यह दृश्य उस वक्त सामने आया जब अस्पताल परिसर में निरिक्षण के दौरान कलेक्टर श्रोत्रिय को कचरे का ढेर नजर आया। निरीक्षण कर रहे कलेक्टर ने स्वयं सेल्फी लेकर न केवल प्रशासनिक उदासीनता का अधिकारियो को आभास कराया, बल्कि कार्यशैली में पारदर्शिता और तत्परता बरतने को लेकर मूक निर्देश भी दिया।

एसएनसीयू वार्ड में परिजनों से किया सीधे संवाद

कलेक्टर श्रोत्रिय ने एसएनसीयू वार्ड का निरीक्षण करते हुए वार्ड में भर्ती नवजातों के परिजनों से सीधे बातचीत की और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही कमियाँ पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त कर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्रोत्रिय का यह संवाद दर्शाता है कि ज़मीनी हकीकत तक पहुंचने की उनकी मंशा महज़ औपचारिकता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से जुड़ी है।

नई बिल्डिंग के कोनेकोने का निरीक्षण कर पकड़ी हर कमज़ोरी

कलेक्टर श्रोत्रिय द्वारा 100 बिस्तरों वाली नई इमारत के किये गये निरिक्षण में कई गंभीर अव्यवस्थाएं सामने आईं। छत से पानी टपकता देख कलेक्टर ने गुस्से में कहा अगर पानी गिरेगा तो मरीज कहाँ बैठेंगे? साथ ही पोस्टमार्टम हाउस और बाह्य रोगी विभाग की स्थिति भी जांची गई। पर्चा काउंटर के छोटे केबिन को भी दुरुस्त करने का आदेश दिया गया।

24 अक्टूबर तक डेडलाइन, मांगी चार्जशीट

कलेक्टर श्रोत्रिय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आगामी 24 अक्टूबर तक सारी व्यवस्थाएं सुचारू होनी चाहिए। इसके लिए हर विभाग से कार्यों की समयसीमा सहित चार्जशीट मांगी गई है यानी कौन-सा कार्य कब पूरा होगा इसकी जिम्मेदारी तय होनी है। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ. अमित शुक्ला, अस्पताल प्रबंधक अंकुर साहू, अन्य चिकित्सक व स्टाफ मौजूद रहे, लेकिन जिम्मेदारी की बारी आई तो कलेक्टर ने इशारों में साफ कर दिया अब आंखें मूंदने का वक्त नहीं रहा।

ग्रामीण चौपाल में पहुंचे कलेक्टर ने ली निर्माण कार्यों की क्लास

पलेरा। जनपद क्षेत्र के ग्राम स्यावनी में रविवार को कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने अचानक पहुंचकर निरीक्षण किया। आमतौर पर सरकारी अमला छुट्टी के दिन नज़र नहीं आता, ऐसे में कलेक्टर श्रोत्रिय का औचक निरीक्षण ग्रामीणों के लिए चर्चा का विषय बन गया। कलेक्टर श्रोत्रिय ने जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया और मौके पर ही कई समस्याओं का निराकरण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गांव में चल रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया और गुणवत्ताहीन निर्माण को लेकर नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रोत्रिय ने पाया कि कुछ स्थानों पर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हुआ है। उन्होंने तहसीलदार लिधौरा ओमप्रकाश गुप्ता को तत्काल कार्रवाई कर अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए। ग्रामीणों द्वारा जब पंचायतों में सचिव नहीं होने की शिकायत की गई, तब कलेक्टर श्रोत्रिय ने जनपद पंचायत सीईओ सिद्धगोपाल वर्मा को निर्देश देते हुए कहा कि सचिवों की तत्काल तैनाती की जाए ताकि पंचायतों का काम प्रभावित न हो। निरीक्षण के दौरान लिधौरा तहसीलदार ओमप्रकाश गुप्ता, जनपद सीईओ सिद्धगोपाल वर्मा सहित अन्य आला अधिकारी मौजूद रहे।

आरक्षक की धमकीभरी ऑडियो को लेकर बैठाई जांच, लेकिन जांच अधिकारी बने अनभिज्ञ

सोशल मीडिया पर वायरल हुई आबकारी विभाग की अंदरूनी दरारें

टीकमगढ़। सरकारी विभागों की चमकती दीवारों के पीछे कई बार ऐसी दरारें छुपी होती हैं, जो न सिर्फ प्रशासनिक व्यवस्था को खोखला करती हैं, बल्कि कर्मचारी मनोबल को भी तोड़ देती हैं। ताजा मामला जिले के आबकारी विभाग का है, जहां एक आरक्षक द्वारा अपने ही सहकर्मी को धमकाने की घटना ने विभागीय संबंधों की सच्चाई उजागर कर दी है। जिसका ऑडियो सोशल मीडिया पर जमकर बायरल हो रहा। लेकिन हैरानी की बात ये है कि उक्त मामले में बरिष्ठ अधिकारी लिखित रूप में जांच बैठाने की बात कह रहे लेकिन जिनको जांच अधिकारी बनाया गया है बो इस जाँच के आदेश से अनभिज्ञता बरतते हुए बोले कि हमें कोई जांच करने का आदेश नहीं मिला।

आवकारी बिभाग में सहायक ग्रेड-3 पद पर कार्यरत मोहम्मद सोहेल खान ने विभागीय वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश पर एक आरक्षक मनोज भदौरिया के बारे में जानकारी एकत्र की। इस जासूसी की जानकारी लगने पर आरक्षक भदौरिया ने मोहम्मद सोहेल पर भड़कते हुए जान से मारने की धमकी दे दी। इस सामान्य सी जानकारीनुमा कार्रवाई ने अप्रत्याशित मोड़ तब लिया जब आरक्षक भदौरिया ने 30 जुलाई की रात 9:52 बजे सोहेल को कॉल कर अशोभनीय भाषा का प्रयोग करते हुए जान से मारने और उनके परिवार को नुकसान पहुँचाने की धमकी दी। इस घटना से आहत मोहम्मद सोहेल ने उसी रात लगभग साढ़े 10 बजे एक वरिष्ठ अधिकारी को इसकी सूचना दी और अगले दिन जिला आबकारी अधिकारी को लिखित शिकायत भी सौंपी। शिकायत में उन्होंने आरक्षक भदौरिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि दो कार्यदिवस में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे स्वयं थाने जाकर कानूनी प्रक्रिया अपनाएंगे।

शिकायत की प्रतियां आबकारी आयुक्त भोपाल, उपायुक्त सागर संभाग, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को भी भेजी गई हैं। हालांकि विभाग उक्त मामले में अब तक चुप्पी साधे हुए है। लेकिन सूत्रों के मुताबिक मामला उच्च स्तर तक पहुंच चुका है और गंभीरता से विचाराधीन है। इस घटना ने विभागीय कार्यशैली और कर्मचारियों के आपसी संबंधों पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। क्या विभाग में कार्यरत कर्मचारी ही कर्मचारी से अब सुरक्षित नहीं हैं? क्या अंदरूनी राजनीति अब खुलेआम धमकियों में बदल रही है? और सबसे बड़ा सवाल क्या विभाग इस चुप्पी की कीमत अपने कर्मचारियों के मनोबल से चुकाएगा?

मनमानीपूर्ण निर्णय लेकर किया शिक्षक के अधिकारों से खिलवाड़!

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

जिले की शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला लार बजरंगिया में पदस्थ प्राध्यापक प्रियंका भारद्वाज ने विद्यालय के प्राचार्य विकास जैन पर गंभीर प्रशासनिक अनियमितताओं और मानसिक उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक कुल 10 शिक्षक पदस्थ हैं। संचालनालय के निर्देशानुसार कक्षा और कालखण्डों के आधार पर अतिथि शिक्षकों की आवश्यकता तय की जानी थी। संबंधित शिक्षक ने जीएफएमएस पोर्टल पर शून्य आवश्यकता अंकित की थी, क्योंकि विद्यालय में पर्याप्त शिक्षक पहले से ही मौजूद थे। इसके बावजूद, प्राचार्य ने शिक्षक का मोबाइल नंबर पोर्टल से हटाकर अपना नंबर दर्ज कर दिया और गणित विषय के लिए एक महिला अतिथि शिक्षक व अंग्रेजी विषय के लिए एक अन्य अतिथि शिक्षक की नियुक्ति कर दी। इसके अतिरिक्त, बिना उच्चाधिकारियों की स्वीकृति के विकास जैन को विद्यालय का प्रभारी घोषित कर भेजा गया, जो कि नियमों के प्रतिकूल बताया जा रहा है। शिक्षक प्रियंका के अनुसार, इससे विद्यालय में कई तकनीकी और प्रशासनिक कार्य जैसे प्रोफाइल अपडेट, मैपिंग आदि ठप हो गए हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में मेडिकल अवकाश के बावजूद उनका 5 दिन का वेतन बिना किसी कारण काटा गया था, जिसे केवल वरिष्ठ कार्यालय में कई बार आवेदन देने और सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद ही वापस दिलाया गया। साथ ही 16 जून 2025 को पूर्ण उपस्थिति के बावजूद प्राचार्य विकास जैन द्वारा अनुपस्थित दर्शाकर एक दिन का वेतन कटवाने का प्रस्ताव भेजा गया, जबकि उस दिन प्राचार्य ने कोई अवलोकन नहीं किया था। इस समस्त प्रकरण में संबंधित प्राध्यापक ने उच्च अधिकारियों से मार्गदर्शन और निष्पक्ष जांच की मांग की है ताकि शिक्षकों के सम्मान और संस्थागत प्रक्रिया की गरिमा बनी रह सके।

लिधौरा के वार्ड-7 में हुआ हादसा, तहसीलदार ने किया निरीक्षण

रात में सोते समय गिरी खपरैल मकान की छत, बच्चे सहित दंपती घायल

टीकमगढ़। जिले की नगर परिषद लिधौरा के वार्ड क्रमांक 7 में शनिवार देर रात एक खपरैल मकान की छत अचानक गिर गई। जिससे घर में सो रहे परिवार के तीन सदस्य मलबे में दब गए। हादसे में मकान मालिक 40 वर्षीय प्रेमचंद यादव के कंधे की हड्डी टूट गई, जबकि पत्नी कल्पना के सिर में गंभीर चोट आई है। आठ वर्षीय पुत्र कृष्णा को मामूली खरोंचें आई हैं।

उक्त घटना लिधौरा नगर के स्टेट बैंक के पास स्थित पुराने कच्चे मकान की है। रात करीब 1 बजे जब पूरा परिवार गहरी नींद में था, तभी मकान की लकड़ी और खपरैल की छत भरभराकर गिर पड़ी। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और मलबा हटाकर घायलों को बाहर निकाला। स्थानीय नागरिकों की मदद से प्रेमचंद और उनकी पत्नी को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लिधौरा लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि यह मकान कई सालों पुराना है और पिछली बारिशों से उसकी स्थिति और जर्जर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही रविवार सुबह तहसीलदार ओमप्रकाश गुप्ता मौके पर पहुंचे। उन्होंने क्षतिग्रस्त मकान का निरीक्षण किया और पीड़ित परिजनों से बातचीत की। तहसीलदार गुप्ता ने बताया कि घटना के वक्त बारिश नहीं हो रही थी, लेकिन पूर्व की बारिशों के कारण छत कमजोर हो चुकी थी। उन्होंने राजस्व टीम को तत्काल पंचनामा रिपोर्ट तैयार करने और शासन से सहायता राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। प्रेमचंद यादव मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत सामान्य है। ऐसे में हादसे के बाद वे मकान और इलाज दोनों को लेकर चिंतित हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से शीघ्र राहत और पुनर्वास की मांग की है।

मां उमादेवी फाउंडेशन का पर्यावरण प्रण हर गांव में लगेंगे मां के नाम पेड़

मोहनगढ़। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सशक्त पहल करते हुए माँ उमादेवी फाउंडेशन ने रविवार को मोहनगढ़ तहसील से बृहत वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान की विशेषता यह है कि संस्था प्रत्येक ग्राम पंचायत में श्माँ के नामश्र एक पेड़ लगाएगी, जिससे भावनात्मक जुड़ाव के साथ प्रकृति से आत्मीय रिश्ता भी स्थापित हो सके। संस्था के डायरेक्टर मनोज सिंह दांगी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के तहत आम, अमरूद, शीशम, बरगद और नीम जैसे जीवनदायिनी पेड़ों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पेड़ सिर्फ छांव या फल नहीं देते, वे पीढ़ियों को जीवन देने वाली सांसें भी देते हैं और जब वह पेड़ माँ के नाम पर हो, तो उसका महत्व कहीं अधिक हो जाता है। अभियान की शुरुआत के दौरान संस्था के सामाजिक कार्यकर्ता, महिला पदाधिकारीगण, स्थानीय ग्रामवासी और युवाओं ने मिलकर दर्जनों पेड़ रोपे और यह संकल्प लिया कि वे न केवल पेड़ लगाएंगे बल्कि उसकी देखभाल भी करेंगे। मनोज सिंह दांगी ने कहा कि माँ उमादेवी संस्था कई वर्षों से अपने निजी कोष से जिले भर में समाजसेवा के विविध कार्य करती आ रही है जिनमें शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और अब पर्यावरण रक्षा प्रमुख हैं। उनका उद्देश्य न केवल समस्याओं को उजागर करना है, बल्कि समाधान का हिस्सा बनकर समाज को प्रेरित करना भी है।

साइबर अपराधियों ने बदला तरीका, आमंत्रण, पुरस्कार और योजना की फाइलें बन रही सबसे बड़ा हथियार

एक क्लिक पर लुट गया मोबाइल, साइबर जाल से बचने एसपी की एडवाईजारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

त्योहार की शुभकामनाएं, बैंक खाता अपडेट करें, सरकारी योजना में लाभ, इनाम जीतने का मौका ऐसे संदेश अब सिर्फ छलावा नहीं, बल्कि खतरे की घंटी बन चुके हैं। मोबाइल और इंटरनेट के इस युग में अब धोखाधड़ी की चालें केवल ईमेल या वेबसाइट तक सीमित नहीं हैं। अब तो व्हाट्सएप, टेलीग्राम और संदेश एसएमएस के माध्यम से एक फ़ाइल के रूप में सीधे मोबाइल पर हमला किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने एडवाईजरी जारी करते हुए बताया कि जिले में बढ़ते साइबर अपराधों पर नियंत्रण और लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय साइबर सुरक्षा अभियान संचालित किया जा रहा है। जिले के सभी थानों में साइबर सहायता कक्ष की स्थापना की गई है, और हर सप्ताह साइबर सुरक्षा परामर्श जारी किया जा रहा है।

फाइल डाऊनलोड के रूप में भेजा जा रहा जाल

हाल ही में कई नागरिकों को एपीके नाम की फाइलें भेजे जाने की शिकायतें सामने आई हैं। ये फाइलें सामान्य लगती हैं जो आमंत्रण, एपीके, इनाम प्राप्त करें एपीके, या खाता अद्यतन एपीके फाइल रूप में आती है। परंतु इनके भीतर छुपा होता है ऐसा सॉफ़्टवेयर जो मोबाइल पर नियंत्रण जमा लेता है। एक बार यह फाइल आपके मोबाइल में स्थापित हो गई, तो यह आपके मोबाइल में छिपकर सारी गतिविधियों पर नजर रखने लगता है आपके संदेश, चित्र, बैंक संबंधी जानकारी, सामाजिक मंचों के खाते सब कुछ इनके निशाने पर आ जाता है। कई मामलों में पीड़ित के नाम से अन्य लोगों को संदेश भेजकर ठगी की जाती है।

विश्वास में लेकर की जाती है धोखाधड़ी

साइबर ठग खुद को कभी बैंक कर्मचारी, कभी सरकारी अधिकारी या कोई नजदीकी रिश्तेदार बताकर बातचीत की शुरुआत करते हैं। विश्वास जमाते ही वे फाइल भेजते हैं और जैसे ही वह फाइल खोली जाती है, मोबाइल उनके कब्जे में चला जाता है। इसके बाद शुरू होती है असली ठगी परिचितों को पैसे मांगने वाले संदेश, फर्जी योजना या इनाम के झांसे और कभी-कभी तो ब्लैकमेलिंग तक।

सुरक्षा के लिए एसपी मंडलोई की एडवाईजरी

एसपी मंडलोई ने बताया कि सुरक्षा की पहली शर्त है सतर्कता। किसी भी अनजान व्यक्ति से प्राप्त फाइल, विशेषकर एपीके या संदिग्ध लिंक को न खोलें। मोबाइल में केवल आधिकारिक ऐप भंडार गूगल प्ले स्टोर से ही ऐप स्थापित करें। व्हाट्सएप में माध्यम अपने आप डाउनलोड होने की सुविधा बंद करें और दो-स्तरीय प्रमाणीकरण चालू रखें। मोबाइल में सुरक्षित जांच सॉफ़्टवेयर एंटीवायरस अवश्य हो।

व्हाट्सप्प ग्रुप एडमिन और सदस्य रहें सतर्क

जो लोग व्हाट्सएप समूह का संचालन करते हैं, वे अतिरिक्त सावधानी रखें। अनजान व्यक्ति को समूह में न जोड़ें। समूह विवरण में स्पष्ट निर्देश जोड़ें कि संदिग्ध फाइल या लिंक साझा न करें। संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत रिपोर्ट करें और व्यक्ति को समूह से हटाएं। समूह के सदस्यों को समय-समय पर साइबर सुरक्षा की जानकारी दें।

अगर हो जाएं ठगी के शिकार तो चुप न रहें

यदि किसी व्यक्ति के साथ धोखाधड़ी हो जाती है, तो वह तुरंत निम्न माध्यमों से शिकायत कर सकता है, राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल, टोल-फ्री सहायता नंबर 1930, नजदीकी थाना या साइबर सहायता केंद्र से संपर्क करें।

साल में शनिवार की 52 छुट्टियों का अतिरिक्त भार पड़ रहा कर्मचारियों पर

कोरोना काल में सप्ताह को 6 से 5 दिन का कर भूल गई सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

कोरोना काल में 50 प्रतिशत उपस्थित और कई शर्तों के साथ खोले गए सरकारी दफ्तर अब कोरोना काल की सभी बंदिशों की समाप्ति के साथ फुल उपस्थिति के साथ खोले जा रहे हैं। न तो मास्क की बंदिश बाकी है और न ही भीड़ लगाने पर परहेज है। लेकिन कोरोना काल में सरकारी कार्यालयों को कम दिवस में खोले जाने की जो गाइड लाइन जारी की थी उसे हटाना सरकार भूल गई। आज जब कोरोना काल की बंदिशों को खत्म हुए करीब 4 साल बीत चुके हैं फिर भी सरकारी दफ्तरों में शनिवार को अवकाश के रूप में शुरू की गई कोरोना गाइड लाइन आज भी जारी है। इस अनदेखी के चलते सरकारी दफतर खुल कम रहे हैं और बंद अधिक दिख रहे हैं। शनिवार की अतिरिक्त छुट्टी के चलते पूरे साल में सरकारी कार्यालयों में 52 दिन काम कम हो रहा है।

दो दिन की छुट्टी घर को घर के लिए अप डाउन हो रहा आसान

6 दिन के बजाए 5 दिन का सप्ताह होने के कारण सरकारी कर्मचारियों को बैठे बैठाए सप्ताह में 1 दिन अतिरिक्त अवकाशं मिल रहा है। शनिवार और रविवार का अवकाश होने के चलते बाहर रहने वाले कर्मचारियों को घर के लिए अप डाउन करने में आसानी हो रही है वह शुक्रवार को दफ्तर से फ्री होने के बाद अपने गांव शहर निकल जाते हैं और शनिवार इतवार को छुट्टी मनाने के बाद सोमवार कि सुबह मुख्यालय पर पहुंचकर दफ्तरों में उपस्थित हो जाते हैं। जिसके चलते कोई भी कर्मचारी इस व्यवस्था का विरोध भी नहीं कर रहा है।

2020 में आई कोरोना की पहली लहर के बाद देश एक तरह से थम सा गया था, सामूहिक जनहानि से बचने की गरज से सरकार ने सभी शासकीय अशासकीय असंस्थानों सहित लोगों का सडक पर निकलना भी बंद कर दिया था जैसे तैसे कोरोना काल का पहला चरण बीता और लोगों को सडकों पर निकलने के साथ काम काज करने की स्वीकृति मिली, लेकिन सरकारी दफ्तरों में पहले 50 प्रतिशत उपस्थिति के साथ फिर सप्ताह में 05 दिन का दफ्तर खोले जाने के आदेश कोरोना से बचाव के चलते दिए गए थे। कोरोना काल का पहला चरण कुछ महीनें बाद समाप्त हो गया और एक साल बाद फिर दूसरा चरण आकर निकल गया। इसके बाद वेज्ञानिकों के हवाले से सरकार ने आमजन को कोरोना से स्वयं लडने की एडवाइजरी जारी की यानी जागरूक रहो और सुरक्षित रहो बाकी सारी गाइड लाइन और प्रतिबंध शिथिल कर दिए गए पर शिथिल नहीं हुआ तो वो नियम जो कोरोना फैलने के डर से 05 दिन का सप्ताह किया गया था। आज भी जब कोरोना का खास डर आमजन में नहीं है तब भी सरकारी दफ्तर शनिवार को कोरोना के डर से बंद रखे जा रहे हैं। इसके लिए बकायदा श्रम विभाग नियमित रूप से शनिवार का अवकाश जारी रखने का आदेश सरकारी दफ्तरों में भेजता रहता है।

5 दिन के सप्ताह से दफ्तरों में बढ़ रहा काम का बोझ

सरकारी कार्यालयों में 06 दिन का सप्ताह (रविवार सहित) कामकाज के लिए होता है कोरोना गाइड लाइन के चलते यह सप्ताह 05 दिन का किया गया था पर कोरोना का तांडव समाप्त होने के बाद भी सप्ताह 06 दिन के बजाय 05 दिन का ही संचालित हो रहा है। सप्ताह में एक दिन काम कम होने से दफतरों में काम का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते सरकारी दफतरों में काम कराने के लिए आने जाने वालों को परेशानी जरूर उठानी पड़ रही है। लोगों को शनिवार के दिन दफ्तर में ताले डले मिलने से परेशानी तो हो रही है लेकिन अब धीरे-धीरे लोग कोरोनाकाल की गाइडलाइन के तहत मिली इस छुट्टी को सरकारी कर्मचारियों का अधिकार मान बैठे हैं।

पहली बारिश में ही धंसक गया 6 करोड़ का मेडिकल कॉलेज रोड

कलेक्टर कराएंगे मेडिकल कॉलेज की घटिया सड़क निर्माण मामले की जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

श्योपुर के मेडिकल कॉलेज के लिए करीब 6 करोड़ रूपए की लागत से बनाई जा रही टू लेन सड़क का निर्माण कितना घटिया हो रहा है, इसकी बानगी पहली बारिश में ही सड़क के धंसक जाने और उसमें दरारे आ जाने के रूप में सामने आ गई है। हालांकि विभागीय अधिकारी अभी सड़क काम रनिंग में बता रहे हैं, लेकिन सीजन की पहली बारिश में ही सडक के धंसक जाने और उसमें दरार आने से सडक की गुणवत्ता पर तो सवाल खडा ही हो रहा है,साथही उन अफसरों की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है,जिनके पास इस सडक निर्माण की मॉनीटरिंग करने की जिम्मेदारी है। उधर कलेक्टर अर्पित वर्मा ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच एक टीम बनाकर कराए जाने की बात कही है।

यहां बता दें कि नागदा में बनकर तैयार हुए मेडिकल कॉलेज तक पहुंचने एप्रोच रोड के रूप में वर्ष 2024 में बर्धा तिराहे से लगभग 5 किलोमीटर की सडक़ मंजूर हुई। लोक निर्माण विभाग द्वारा कराई गई टेंडर प्रक्रिया के अनुसार इस 5 किलोमीटर की सडक़ की लागत 6 करोड़ 30 लाख रुपए है और श्योपुर-सवाईमाधोपुर नेशनल हाइवे 552 के बर्धा तिराहे से मेडिकल कॉलेज तक सडक का निर्माण होना है, इसमें जाटखेड़ा के आगे सीप नदी तक एक बड़े हिस्से में सडक़ बन गई है, लेकिन लोगों का आरोप है कि काम में गुणवत्ता के मापदंड ताक पर रखे जाने के चलते सडक़ धंसक गई है। इसमें साइडों में दरारें आ गई और एक बड़ा गड्ढा भी हो गया है।

ठेकेदार ने हटाए घटिया निर्माण की पोल खोलने वाले निशान

उधर सोशल मीडिया पर मेडिकल कॉलेज सडक के धंसकने के फोटो को लोग खूब वायरल करते हुए कह रहे है कि ठेकेदार ने इस सडक निर्माण में भ्रष्टाचार की हदे पार कर दी है। इस सडक का निर्माण कर रहे ठेकेदार ने रविवार को जेसीबी भेजकर सडक निर्माण के घटिया होने की पोल खोलने वाले निशानों को हटा दिया है। हालांकि ठेकेदार का तर्क है कि बारिश से जो सडक खराब हुई है,उसे ठीक कराया जा रहा है। लेकिन लोग सवाल उठा रहे है कि ठेकेदार आनन फानन में यह काम अपनी गडबडियों पर पर्दा डालने के लिए घटिया निर्माण की पोल खोल रहे सबूतो को मिटाया है।उधर समाजसेवी बिहारी सिंह सोलंकी ने इस घटिया सडक निर्माण मामले को लेकर कानूनी लडाई लडने की बात कही है।

कलेक्टर बोले कराएंगे मामले की जांच

इस मामले में कलेक्टर अर्पित वर्मा ने भी गंभीरता दिखाते हुए संज्ञान लिया है। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने बताया कि इस मामले की टीम बनाकर जांच कराई जाएगी। जिन्हें जांच सौपी जाएगी,उन्हें जांच रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करने के लिए भी निर्देशित किया जाएगा। ताकि दोषी साबित होने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई की जा सके।

बहरावदा में घुसा मगरमच्छ, मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

मानपुर थाना क्षेत्र के गांव बहरावदा में रविवार की सुबह एक मगरमच्छ के आने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची मानपुर थाना पुलिस और फोरेस्ट की टीम ने रेस्क्यू करके मगरमच्छ को पकडा और फिर उसे चंबल नदी में जाकर सुरक्षित छोड दिया। सीप नदी किनारे बसे गांव बहरावदा में रात्रि के दौरान सीप नदी से निकलकर एक मगरमच्छ पहुंच गया। जो सुबह ग्रामीणों को दिखा। इसके बाद गांव में हडकंप मच गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस और फोरेस्ट विभाग को दी। मानपुर टीआई पीएस यादव ने बताया कि सूचना के बाद तत्काल पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया और फोरेस्ट टीम को भी बुलवाया गया। पुलिस के सहयोग से फोरेस्ट टीम ने रेस्क्यू करके मगरमच्छ को पकडा और उसे सुरक्षित चंबल नदी में छुडवा दिया।

जिला अस्पताल में चला स्वच्छता अभियान, रोपे गए पौधे

श्योपुर। रविवार को जिला अस्पताल परिसर में सिविल सर्जन डॉ आरबी गोयल के नेतृत्व में चिकित्सकों एवं स्टाफ ने स्वच्छता अभियान चलाते हुए परिसर में स्थित पार्क में साफ सफाई की और नए पौधों का रोपण किया। हर रविवार को चिकित्सक और स्टाफ स्वेच्छा से स्वच्छता अभियान के क्रम में श्रमदान करता है, इसी क्रम में इस रविवार को भी अस्पताल परिसर में बने पार्क में श्रमदान किया इस दौरान वहां सूखी पड़ी टहनियां कचरो को हटाकर उसका निस्तारण किया ताकि अस्पताल में आने वाले मरीज और अटेंडर पार्क में शुद्ध वातावरण के बीच आराम कर सकें। सिविल सर्जन डॉ गोयल ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 40 नए पौधों का रोपण भी किया गया। डॉक्टर और कर्मचारियों ने अपनी अपनी मां के नाम से पौधे रोपे।

नदी नालों कीचड़ को पार कर ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं दे रही आशा

श्योपुर। बारिश के दौरान ग्रामीण क्षेत्र खासकर वनांचल में कई गांव के रास्ते बंद हो गए हैं और कई नदी किनारे अचानक आ जाने से राहगीरों के बह जाने या किसी ठिकाने पर फंस जाने की संभावना बनी रहती है ऐसे दुर्गम स्थानों पर भी अवैतनिक रूप से कार्य करने वाली स्वास्थ्य विभाग की अंतिम कड़ी आशा कार्यकर्ता घर-घर जान जोखिम में डाल कर भी स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करा रही हैं। बीते दिनों हुई झमाझम बारिश से पूरा जिला टापू सा बन गया था ऐसी स्थिति में भी लोगों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान कराने के उद्देश्य से आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी जान जोखिम में डालते हुए नदी नालों को पार करते हुए घर-घर पहुंच कर बीमारों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और बीमारी के फैलाव को रोकने में सराहनीय भूमिका निभाई। ज्ञात हो कि आशा कार्यकर्ता को स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से गांव गांव में नियुक्ति दी गई है जिससे विषम परिस्थितियों में भी लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए परेशान नहीं होना पड़ रहा है। जिन गांवों में आशा कार्यकर्ता नियुक्त नहीं हुई हैं वहां दूसरे गांव से कार्यकर्ता पहुंचकर सेवाएं दे रही है। इन दिनों आशा कार्यकर्ता को मलेरिया किट के माध्यम से जांच करने के साथ-साथ बुखार और दस्त उल्टी आदि की दवा वितरण करने की जिम्मेदारी विभाग द्वारा सोपी गई है। साथ ही प्रसूता की 24 घंटे निगरानी रखने, टीकाकरण कराने, गर्भवती को अस्पताल लाकर डिलीवरी कराने की जिम्मेदारी भी आशा कार्यकर्ता के जिम्मे है और वह इस काम को अतिवर्षा और बाढ़ जैसे हालात के बीच अच्छे कर रही है। आशा कार्य कार्यकर्ता यूनियन की जिला अध्यक्ष ज्योति शर्मा ने जिला प्रशासन से ऐसी आशा कार्यकर्ताओं को 26 जनवरी के दिन सम्मानित करने का की मांग की है जो विपरीत परिस्थितियों में जान जोखिम में डालकर भी सेवाएं देती रही।

गौरक्षक दल ने लगाया जाम, मवेशी के साथ दुष्कृत्य करने वाले शिक्षक को फांसी देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

राजगढ़ जिले में एक शिक्षक के द्वारा मवेशी के साथ दुष्कृत्य किए जाने के मामले को लेकर रविवार को गौ रक्षक दल ने शहर के पाली रोड पर कॉलेज के सामने चक्काजाम किया और दोषी शिक्षक को फांसी दिए जाने की मांग नारेबाजी कर उठाई।

रविवार को पाली रोड पर पहुंचे गौ रक्षक दल के सदस्यों ने कॉलेज के सामने नारेबाजी करते हुए जाम लगा दिया। जाम लगाने वाले गौ रक्षक दल के सदस्यों का कहना था कि राजगढ जिले में कन्या स्कूल के प्राचार्य पद पर पदस्थ राशीद खान निवासी बगडुआ थाना मानपुर जिला श्योपुर के द्वारा मवेशी के साथ कुकृत्य किया गया। जो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। शिक्षक की यह घिनौनी हरकत काफी शर्मनाक है,इसलिए शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे फांसी की सजा दी जाए। जाम लगाने प्रदर्शनकारियों ने दोषी को फांसी दो', 'गो हत्यारे को बख्शा नहीं जाएगा' जैसे नारे लगाए। गौ रक्षक दल के सदस्यों ने प्रशासन से आरोपी शिक्षक के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग की। उन्होंने आरोपी को फांसी की सजा दिलाने की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। जाम के कारण पाली रोड पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। करीब दो घंटे तक लगा रहा यह जाम एसडीएम बीएस श्रीवास्तव, एसडीओपी राजीव कुमार गुप्ता, कोतवाली टीआई सतीश चौहान और देहात थाना प्रभारी शशि तोमर आदि ने मौके पर प्रदर्शनकारियों से चर्चा की और उनसे उनकी मांग संबंधी ज्ञापन लिया। तब कहीं जाकर यह जाम खत्म हुआ।

ग्राम शंकरपुर में देखने को मिली शर्मसार करने वाली घटना

श्मशान में हो रही धान की खेती, दाह संस्कार के लिए बनाना पड़ा प्लेटफार्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

श्योपुर जिले में श्मशान घाट की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। आए दिन लोग श्मशान की समस्या को लेकर सोशल मीडिया पर शिकायत डालते रहते हैं। कहीं रास्ते पर कब्जा होता है तो कहीं श्मशान की जमीन पर कब्जे की शिकायत मिलती रहती है पर रविवार को तो ऐसी चौंकाने वाली घटना सोशल मीडिया पर वायरल हुई जिसने हंगामा मचा दिया। दरअसल सोंई क्षेत्र के शंकरपुर गांव में एक ग्रामीण की मृत्यु होने पर जब उसे दाह संस्कार के लिए श्मशान घाट ले जाया गया तो वहां लोगों को श्मशान की जगह धान के बड़े बड़े कियारे बने मिले। धान की खड़ी फसल में एक-एक फीट पानी भरा हुआ था मजबूरी में परिजनों को क्यारे से पानी निकालने के बाद मिट्टी डालकर प्लेटफॉर्म बनाना पड़ा तब जाकर शव का दाह संस्कार हो सका।

विवाद के बाद दूसरी जगह आवंटित की श्मशान भूमि

ग्रामीण जिस जगह को श्मशान की जमीन बता रहे हैं वह जगह किसी किसान ने खेती की हुई है। यही नहीं अब सरकारी रिकॉर्ड में भी यह जमीन किसान के नाम चढ़ी हुई है। पूर्व में भी इस जमीन पर कब्जे को लेकर ग्रामीणों और संबंधित किसान के बीच विवाद हुआ था जिससे निपटने के लिए प्रशासन ने गांव में ही एक और स्थान पर श्मशान के लिए जमीन आवंटित कर दी है लेकिन ग्रामीण उक्त स्थान पर शवों का अंतिम संस्कार करने नहीं जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वह तो उसी स्थान पर शवों का अंतिम संस्कार करेंगे जहां से उनके बाप दादा करते चले आए हैं। ग्रामीणों के माने तो यह श्मशान 500 साल पुराना है और पहले श्मशान के नाम से राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज भी था पर पटवारी ने साठ गांठ कर इस जमीन पर व्यक्ति विशेष के नाम खसरे में कब्जा चढ़ाकर बाद में राजस्व अभिलेखों में उसका नाम इंद्राज कर दिया जिसके चलते लोगों को श्मशान के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

इनका कहना...

हमारे दादाजी का देहांत हो गया था तो हम शव का अंतिम संस्कार करने शमशान घाट ले गए शमशान तक पहुंचने के लिए न तो रास्ता है न श्मशान में शेड है, चारों ओर धान की फसल लहलहाती दिखाई पड़ रही है। मजबूरी में हमें सूखी मिट्टी डालकर अस्थाई प्लेटफार्म बनाना पड़ा तब दादा जी का अंतिम संस्कार हो सका। इस संबंध में सरपंच से भी कई बार कहा है लेकिन वह भी अनसुनी कर रहे हैं।

देवेंद्र मीणा
मृतक का पोता

जिस स्थान पर लोग आज शव का अंतिम संस्कार करने गए थे वह स्थान तुलसी राम मीणा के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज है सरकारी अभिलेखों में वही इस जमीन का मालिक है ग्राम पंचायत ने शमशान के लिए दूसरी जगह आवंटित करवा दी है लेकिन ग्रामीण वहां शव का अंतिम संस्कार करने नहीं जा रहे हैं।

ऋतु राज धाकड़
सचिव ग्राम पंचायत शंकरपुर

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम शंकरपुर में जुगराज पुत्र शिव नारायण मीणा का निधन रविवार को हो गया जिसके अंतिम संस्कार के लिए परिजन और ग्रामीण शवयात्रा लेकर शमशान घाट पर गए लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए न तो उन्हें रास्ता दिखाई पड़ा और न ही शमशान घाट का नामो निशान चारों ओर धान के बड़े-बड़े खेत लहलहाते दिखाई पड़े। लोग शव यात्रा को एक एक फीट पानी से भरे धान के खेत के बीच से होकर वहां पहुंचे जहां शमशान चिन्हित था हालांकि वहां शमशान का नामों निशान नहीं मिला लेकिन ग्रामीणों ने शव का अंतिम संस्कार उसी स्थान पर मिट्टी डालकर अस्थाई प्लेटफार्म बनाकर किया जहां शमशान होने की बात कही जा रही है। हालांकि इस मामले में जमीन पर कब्जे वाले किसान से बात नहीं हुई है लेकिन लोगों ने बताया कि यह जमीन राजस्व विभाग ने उसके नाम आवंटित कर दी है, जिस कारण वह यहां धान की खेती कर रहा है।

---

24 गांव में बन रहे एमपीसी, एक ही छत के नीचे मिलेंगी सभी सुविधाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

पीएम जनमन योजना के तहत श्योपुर जिले के 24 सहरिया बाहुल्य ग्रामों में मल्टी परपज सेंटर (एमपीसी) बनाये जा रहे है, प्रत्येक एमपीसी की निर्माण लागत 60 लाख रूपये होगी। शासन द्वारा एमपीसी निर्माण की स्वीकृति उपरांत कार्य प्रारंभ हो गये है। एमपीसी के माध्यम से हेल्थ, न्यूट्रीशन, स्किल डवलपमेंट, वोकेशनल एजुकेशन, वित्तीय साक्षरता, कम्युनिटी एण्ड कल्चर वेलफेयर पर फोकस करते हुए समुदाय को सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने बताया कि पीएम जनमन योजना के तहत जिले के 24 सहरिया बाहुल्य ग्रामों में एमपीसी निर्माण का कार्य संचालित है तथा इसके लिए आरईएस को प्रदेश स्तर से क्रियान्वयन एजेंसी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर अर्पित वर्मा द्वारा गत दिनों पीएम जनमन योजना के तहत एमपीसी निर्माण कार्यो की समीक्षा की गई, जिसमें बताया गया कि सभी कार्य संचालित हो गये है, जिनमें से कुछ कार्य नीव स्तर तक, कुछ कार्य छत स्तर तक पूर्ण हो गये है। उन्होने कहा कि सभी एमपीसी का निर्माण शीघ्रता से कराने के लिए नियमित रूप से मॉनीटरिंग की जा रही है।

प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान पीएम जनमन योजना के तहत बनने वाले इन मल्टी परपज सेंटर के माध्यम से स्वास्थ्य तथा पोषण के स्तर को ओर अधिक सुदृढ करने के लिए कार्य किया जायेगा। इसके लिए एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा आशा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौपी गई है। एमपीसी समुदाय में सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता लाने के लिए कार्य करेंगे। लोगों को व्यवसायिक शिक्षा के साथ ही उनका कौशल विकास उन्नयन किया जायेगा। स्वरोजगार की दिशा में उनके परम्परागत व्यवसाय को ओर अधिक कुशल बनाने की दृष्टि से प्रशिक्षण दिये जायेगे, साथ ही नई तकनीक एवं वर्तमान दौर में संचालित सेवाओं के संबंध में विभिन्न ट्रेड्रो में प्रशिक्षण की व्यवस्था भी होगी। एमपीसी को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यहां कम्युनिटी आधारित एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हो सकेंगे।

इन सेवाओं का होगा संचालन

पीएम जनमन योजना के तहत सहरिया बाहुल्य ग्रामों में बनने वाले मल्टी परपज केन्द्र से आंगनबाडी एवं स्वास्थ्य केन्द्र की सेवाएं प्रदान की जायेगी। एमपीसी में आंगनबाडी संचालन और स्वास्थ्य केन्द्र संचालन के लिए पृथक-पृथक कक्ष बनाये जायेगे, जहां आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं एएनएम अपने-अपने कार्यो का संचालन करेंगी। एमपीसी में बैंकिंग करस्पोन्डेन्ट अर्थात कियोस्क संचालक भी बैठेगे। एमपीसी में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक क्लासरूम भी बनाया जायेगा। इसके साथ ही कल्चर एवं कम्युनिटी प्रोग्राम के लिए हॉल का निर्माण भी होगा। इसके साथ ही एमपीसी संचालन ऑफिस भी बनेगा। एमपीसी के संचालन के लिए जिला स्तर पर निगरानी समिति बनेगी तथा ग्राम में ग्राम सभा के माध्यम से इसका संचालन होगा, 15वे वित्त की अनुदान राशि से इस पर व्यय किया जायेगा।

इन ग्रामों में बनेंगे एमपीसी

पीएम जनमन योजना के तहत सहरिया बाहुल्य 24 ग्रामों में एमपीसी बनाये जा रहे है, उनमें आदिवासी बस्ती दांतरदा खुर्द, खाखरिया का सहराना धीरोली, बर्धा बुजुर्ग मोहल्ला, महू, बागल्दा सहराना, इन्द्रपुरी सहराना राडेप, जखोदा सहराना अगरा, आदिवासी बस्ती छापर आरोदा, मोहनपुर कीजरी, बुढेरा, सहरिया कॉलोनी टर्राकला, कलारना, रतनपुर पनवाडा, मयापुर, आवदा की आदिवासी बस्ती, इन्द्रा कॉलोनी गोरस, भोटूपुरा खेराई, सेटलमेंट बस्ती सेसईपुरा, पच्चीस कॉलोनी पिपरानी, गणेश मोहल्ला ककरधा, पुरानी सहराना भेला, ऊची कॉलोनी निमोदामठ, अजनोई शामिल है।

अकांक्षा हाट कार्यक्रम का जिला स्तर पर किया गया आयोजन

गुना। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक दुबे के निर्देशन में कलेक्टर कार्यालय में अकांक्षा हाट का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम मे विभिन्न ब्लॉकों से महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्टाल लगाकर विभिन्न प्रकार के स्थानीय रूप से निर्मित उत्पादों को प्रस्तुत किया, जिसमे क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति, पारंपरिक कौशल और उद्यमशीलता को दर्शाया गया। हाट मे विशेष रूप से गुना के एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम अंतर्गत धनिये की विभिन्न उत्पादों,गो विष्ठा से निर्मित गणेश जी की मूर्ती एवं दिये सहित हस्तशिल्प आधारित उत्पादों एवं वस्त्रों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया गया।

खबर संक्षेप

संयुक्त सर्वे कराने के अधिकारियों को निर्देश

शिवपुरी। जिले में विगत दिनों हुई अतिवृष्टि के कारण फसल एवं आवासीय क्षति को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी ने संबंधित अधिकारियों को सर्वेक्षण कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री चौधरी द्वारा जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी ;राजस्वद्ध एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया गया है कि अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में राजस्वए कृषिए उद्यानिकी तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का संयुक्त सर्वे दल गठित कर तीन दिवस के भीतर फसल क्षति का सर्वेक्षण पूर्ण कर प्रतिवेदन जिला कार्यालय को प्रस्तुत किया जाए। इसी प्रकार मकान क्षति के सर्वेक्षण हेतु पटवारी एवं ग्राम सचिव की संयुक्त टीम बनाकर सर्वे किया जाएगा। सर्वे कार्य में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाए। सर्वे कार्य पूर्ण होने के उपरांत राजस्व पुस्तक परिपत्र 6.4 के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को राहत राशि का वितरण सुनिश्चित कर शीघ्र आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके।

15 तक अग्निवीर भर्ती रैली में प्रतिदिन भर्ती

शिवपुरी। शासकीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय शिवपुरी में 04 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक अग्निवीर सेना भर्ती रैली आयोजित की जा रही है। इस रैली में सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, शिवपुरी, दतिया, श्योपुर, मुरैना, भिंड एवं ग्वालियर जिलों से चयनित कुल 10,114 युवा अभ्यर्थी भाग लेंगे। भर्ती स्थल पर अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता परीक्षाए दस्तावेज परीक्षण तथा चिकित्सा परीक्षण की प्रक्रिया संपन्न की जा रही है। अग्निवीर जनरल ड्यूटी में भर्ती की जाएगी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बीमा 14 तक

शिवपुरी। खरीफ वर्ष 2025 के अंतर्गत प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कृषक अपनी फसलों का बीमा अब 14 अगस्त तक करा सकते हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ हेतु जिले में अधिसूचित क्षेत्र की अधिसूचित फसलों पर ऋणीध्अऋणी कृषकों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 14 अगस्त की गई है एवं ऋणी कृषकों की फसल बीमा की पोर्टल में प्रविष्टि की अंतिम तिथि 30 अगस्त है। जिन कृषक द्वारा किसी भी बैंक से केसीसी लोन नहीं लिया गया वें अऋणी कृषकों के बीमांकन हेतु भारत सरकार द्वारा एग्रीस्टेक कृषक आईण्डीए अनिवार्य है। एग्रीस्टेक कृषक आईण्डीए के साथ अपना आवेदन भरकर आधार कार्डए बचत बैंक पासबुक एवं बही ;पावतीद्ध की छायाप्रति, बुवाई.प्रमाण पत्र, मोबाइल नंबर, फ ार्मर आईडी एवं खरीफ हेतु निर्धारित बीमित राशि का 2ः प्रतिशत प्रति हेक्टेयर प्रीमियम के साथ जमा कर फसल बीमा करवा सकते हैं। जिससे उक्त कृषकों को फसल बीमा का लाभ मिल सके।

धरातल पर दोनों फर्म नहीं, खंडा-बोल्डर-मुरम जैसी रॉयल्टी की सामग्री के बिल जारी

राधिका कंट्रक्शन एंड सप्लायर व जय गुरुदेव फर्म को सामग्री सप्लाई के नाम करोड़ों का भुगतान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोलारस

राजस्व चोरी, जीएसटी चोरी, रॉयल्टी चोरी सहित कूटरचित दस्तावेज के मामले की जद में दोनों फर्मे

कोलारस जनपद पंचायत के अंतर्गत राधिका कंट्रक्शन एंड सप्लायर व जय गुरूदेव नाम की फर्में कई ग्राम पंचायतों में फर्जी बिल लगाकर करोडों की राजस्व चोरी को अंजाम दे रहीं हैं। वहीं उक्त फर्में बिलों पर रेतए गिटटीए ईंटए सीमेंटए खंडाए बोल्डरए लाल मुरमए मिक्शर मशीनए पानी टैंकरए रोड रॉलरए खिडकीए दरवाजेए कोटा स्टोनए जेसीबीए हैडपंप का सामान जैसी सभी चीजें कागजों में ग्राम पंचायतों को मुहैया करा रही हैं। हालांकिं दोनों फर्मों का जमीन पर कोई अस्तित्व नहीं है। इसके बाद भी दर्जनों ग्राम पंचायतों में विकास की राशि को लूटने का इनका अभियान जारी है। मुख्यालय से 50.50 किमी दूर राधिका कंट्रक्शन एंड सप्लायर व जय गुरूदेव फर्म अभी तक ग्राम पंचायतों में करोडों का भुगतान करा चुकिं हैं। वहीं जनपद विभाग के अफसरों की मिलीभगत से उक्त फर्मों द्वारा करोडों की राजस्वए जीएसटीए रॉयल्टी चोरी व कूटरचित दस्तावेज तैयार कर बडे पैमाने पर उक्त काले कारोबार को अंजाम दिया है।

राधिका फर्म का 2 साल पहले जीएसटी निरस्त फिर भी लगाए जा रहे फर्जी बिल

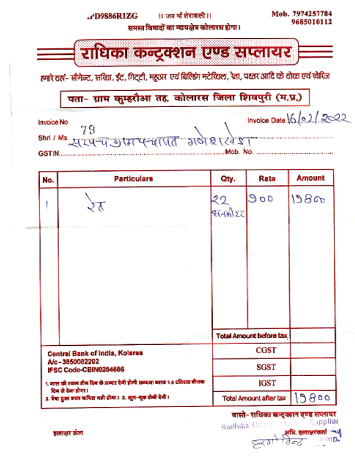

PD9886R1ZG || जय माँ शेरावाली || Mob. 7974257784 9685010112
समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कोलारस होगा।
राधिका कन्ट्रक्शन एण्ड सप्लायर
पता- ग्राम कुम्हरौआ तह. कोलारस जिला शिवपुरी (म.प्र.)
Invoice No. 79 Invoice Date 16/02/2022

No.	Particulars	Qty.	Rate	Amount
1	रेत	22 घनमीटर	900	19800
			Total Amount before tax	
			CGST	
			SGST	
			IGST	
			Total Amount after tax	19800

Central Bank of India, Kolaras
A/c-3850082202
IFSC Code-CBIN0284686
वास्ते- राधिका कन्ट्रक्शन एण्ड सप्लायर

राधिका कंट्रक्शन एंड सप्लायर फर्म का संचालन हरगोविंद धाकड द्वारा किया जा रहा है। जिसके द्वारा 1 करोड से अधिक की राशि के फर्जी बिल ग्राम पंचायत कुम्हरौआ, अटरूनी, डेहरवारा, इमलावदी, बेंहटा, चंदौरिया, सेसईखुर्द सहित दर्जनों ग्राम पंचायतों में लगाकर सिर्फ कागजों में ही नियम विरूद्व सामग्री सप्लाई कर 1 करोड से अधिक की राशि का भुगतान करा लिया। जबकि राधिका कंट्रक्शन एंड सप्लायर का जीएसटी वर्ष 2023 में ही निरस्त हो चुका है। इसके बाद भी फर्म संचालक हरगोविंद धाकड द्वारा फर्जी बिलों को लगाकर ग्राम पंचायतों के विकास की राशि को निकाला जा रहा है।

जय गुरुदेव फर्म भी धरातल पर नहीं मौजूद

कागजों में संचालित हो रही जय गुरूदेव फर्म का संचालन भूपेंद्र दांगी द्वारा किया जा रहा है। इस फर्म द्वारा कई ग्राम पंचायतों में राजस्व चोरी करने की नियत से रेत, गिटटी, ईंट, सीमेंट, खंडा, बोल्डर, लाल मुरम, मिकशर मशीन, पानी टैंकर, रोड रॉलर, खिडकी, दरवाजे, कोटा स्टोन, जेसीबी, हैडपंप का सामान जैसी सभी प्रकार की सामग्रियों को कागजों में सप्लाई कर 1 करोड से ज्यादा की राशि का भुगतान करा लिया है। जबकि धरातल पर इस नाम का कोई प्रतिष्ठान मौजूद ही नहीं है। सिर्फ राजस्व चोरी, जीएसटी चोरी, रॉयल्टी चोरी करने की नियत से कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर इस प्रकार की फर्में शासन की राशि का गबन करने के लिए संचालित हैं।

आर्थिक अपराध के अंतर्गत...

फर्जी बिल लगाने वाले फर्म संचालक पर पुलिसए खनिज और जीएसटी विभाग द्वारा बडी कार्रवाई सुनिश्चित की जाना चाहिए। चुकिं करोडों रूपये की राशि की निर्माण सामग्री बिना जीएसटी के बिल पर सप्लाई की गई है। इसमें फर्जी बिलों का उपयोग किया गया है। बिना जीएसटी नंबर के बिलों पर सामग्री की सप्लाई करना बडे आर्थिक अपराध के अंतर्गत आता है। इसमें फर्म संचालक पर कूटरचित दस्तावेज, धोखाधडी, शासन की राजस्व चोरी और खनिज विभाग की रॉयल्टी चोरी का मामला बनता है।

गजेन्द्र सिंह यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता

मामला आपके द्वारा संज्ञान में लाया गया है। यदि किसी फर्म संचालक द्वारा कूटरचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी बिलों के आधार पर धोखाधडी कर शासन की राशि का आहरण किया गया है। यदि इस प्रकार की शिकायतें प्राप्त होती हैं तो जांच उपरांत कार्रवाई की जाएगी।

संजय मिश्रा, एसडीओपी कोलारस

डॉक्टर ने पीड़ितों का नहीं किया उपचार, एफआईआर के बाद रन्नौद अस्पताल पहुंचे थे पीड़ित

छावरा गांव में दबंगों का आतंक जाटव परिवार को जमकर पीटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शिवपुरी

कोलारस अनुभाग के रन्नौद पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम छावरा में कुछ दबंगों ने एक राय होकर गांव में निवासरत जाटव परिवार पर हमला बोल दिया। पीडित पक्ष की शिकायत पर रन्नौद पुलिस ने दबंगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी राधेश्याम पुत्र उम्मेद जाटव उम्र 17 साल निवासी ग्राम छवरा थाना रन्नौद ने अपने चाचा हरवीर जाटव भाई छोटू जाटव के साथ रन्नौद थाना आकर 01/08/2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई की वह अपने घर से खेत पर जा रहा था। तभी रास्ते में संतोष लोधी की दुकान के सामने पहुंचा तो गांव का अशोक लोधी मिला जो नशे में धुत थाए वह जातिसूचक गालियां देने लगा। विरोध किया तो अशोक लोधी ने मेरे सिर में लाठी मार दीए जिससे मेरे सिर में गंभीर चोट आई और खून निकलने लगा।

झगडे की आवाज सुनकर मेरे चाचा हरवीर व भाई छोटू आ गए। अशोक लोधी ने लाठी से उनकी भी मारपीट की। जिसमें उन्हें भी कंधे और हाथ में चोटें आई हैं। जब उक्त झगडे की जानकारी भीम आर्मी के जिला उपाध्यक्ष वीरू जाटव को प्राप्त हुई तो उन्होनें रन्नौद थाना प्रभारी को अवगत कराकर उचित कार्रवाई की मांग की। जिसके फलस्वरूप रन्नौद पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर लिया।

रन्नौद अस्पताल में डॉक्टरों ने नहीं किया घायलों का उपचार

भीम आर्मी के जिला उपाध्यक्ष वीरू जाटव ने आरोप लगाते हुए कहा कि उक्त मामले में रन्नौद अस्पताल में पदस्थ डॉक्टरों की लापरवाही और उदासीनता निकलकर सामने आई है। जाटव समाज के लोगों के सिर में गंभीर चोट आई थीं। किंतु टांके नहीं लगाए गए। एक के हाथ में और दूसरे के कंधे में भी गंभीर चोटें हैंए जो डॉक्टर को दिखाई नहीं दीं। एक समान्य मेडीकल कर पीडितों को गुमराह कर दिया गया। अधिकतर मामलों में ऐसे ही डॉक्टरों के कारण दबंग खुला खेल खेलते हैं और सामान्य धाराओं में उन पर एफआईआर दर्ज हो जाती है।

जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 10 अगस्त तक आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शिवपुरी

पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय पनघटा ;नरवरद्ध जिला शिवपुरी में शैक्षणिक सत्र 2025.26 हेतु कक्षा 11वीं प्रवेश के लिए पात्र विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन 10 अगस्त तक कर सकते हैं। प्रवेश सीबीएसई ध् राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थियों के प्रदर्शन के आधार पर तैयार की गई मेरिट के अनुसार दिया जाएगा। कक्षा 11वी में प्रवेश हेतु अभ्यर्थी का जन्म 1 जून 2008 से 31 जुलाई 2010 के बीच होना चाहिए। अभ्यर्थी को शैक्षणिक सत्र 2024.25 के दौरान उस जिले के किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय सीबीएसई या किसी अन्य राज्य शिक्षा बोर्ड से संबद्ध से दसवीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए, जहाँ पर जवाहर नवोदय विद्यालय स्थित है। साथ ही प्रवेश में प्रथम वरीयता सीबीएसई से संबद्ध विद्यालय के अभ्यर्थी जिन्होंने 2024.25 में दसवीं उत्तीर्ण की हैए को दी जायेगी। केवल दसवीं कक्षा में 60 प्रतिशत या उससे अधिक ;प्रथम श्रेणीद्ध अंक प्राप्त करने वाला छात्र ही आवेदन करने के लिए पात्र हैए विज्ञान संकाय चुनने वाले अभ्यर्थी के पास विज्ञान विषय में 60 प्रतिशत अंक होने चाहिए तथा किसी भी संकाय में गणित चुनने वाले अभ्यर्थी के पास दसवीं कक्षा में गणित में कम से कम 60 प्रतिशत अंक होने चाहिये। आवेदन हेतु इच्छुक अभ्यर्थी विद्यालय में उपस्थित होकर या नवोदय विद्यालय समिति की वैबसाईट पर आवेदन कर सकते हैं।

पिपरिया राय से आदिवासी बस्ती में पांच माह से नहीं है बिजली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

जिला मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर ग्राम पिपरिया राय के आदिवासी वस्ती के ग्रामीण बिजली की समस्या को लेकर विधुत वितरण कंपनी के कार्यालय पहुंचे। इन ग्रामीणों ने सामुहिक रूपसे से ज्ञापन दिया है और विधायक हरीबाबू राय को भी अवगत कराया गया। जिसके बाद विधायक भी विधुत वितरण कंपनी के कार्यालय पहुंचे।

जहां ग्रामीणों ने बताया कि हमारे गांव में आदिवासी वस्ती के लिए जो डीपी विधुत वितरण कंपनी ने रखी थी वह सरकारी जमीन में हैं। परन्तु गांव के दंबंग व्यक्ति द्वारा उस डीपी को क्षतिग्रस्त कर दिया है। 5 माह से लगातार अधिकारियों को ध्यान इस समस्या की ओर आकृषित करा रहे हैं। गांव के आदिवासियों ने जनसुनवाई में विधुत वितरण कंपनी तूमैन सबस्टेशन आदि सभी को डीपी को क्षतिग्रस्त करने, लाईट बंद करने की शिकायतें लिखित व मौखिक रूपसे किए जाने के बाद आदिवासीयों ने कहा कि 5 माह से अधिक समय हो गया है। उनकी डीपी को नहीं सुधारा गया। डीपी जिस भूमि पर रखी है उस भूमि पर दंबगों ने कब्जा कर तारफेंसी कर बिजली सप्लाई बंद कर दी है। जहां आदिवासीयों को लाईट नहीं मिल रही है वहीं स्कूल के लिए लगाए के बोरबेल की मोटर भी चालू नहीं हो रही जिससे पेयजल की समस्या ये स्कूल के छात्र भी परेशान है। समस्या सुनने के बाद अधिकारियों ने संबंधित स्टेशन के कर्मचरियों पर चर्चा की और कहा कि अगर डीपी क्षतिग्रस्त हुई है तो संबंधित आरोपियों पर कार्यवाही कर लाईट चालू करवाओं। यदि डीपी की जरूरत है तो नई डीपी भी रखवा दी जाएगी। विधायक इजी. हरीवावू राय ने कहा कि गांव की समस्या है उन्होंने मुझे बताया था मैं अशोकनगर क्षेत्र में पानी से हुए नुकसान को देखने के लिए भी आया हूं। पानी की समस्या के साथ-साथ कई गांव में लाईट की समस्या भी है। जिसका निराकरण शीघ्र होना चाहिए।

इटावा जैन मंदिर में मुनिश्री सुब्रत सागर महाराज ने धर्म सभा को किया संबोधित

मन में आए हुए बुरे विचार हमें मानसिक रोगी बनाते हैं: मुनिश्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीना

अगर हम अपने मन में अपने विचारों में किसी का बुरा सोचते हैं तो उसका बुरा होना तो विकल्प से है हो भी सकता है और नहीं भी हो सकता। किंतु जो व्यक्ति सोचने वाला है उसका बुरा अवश्य ही होगा। भले ही मन में बुराई का विचार क्यों न आया हो वह वचनों में भी आएगा। उसके बाद फिर शरीर से भी किया जाएगा। इसलिए अगर अपने अहित से बचना चाहते हो तो मन में भी बुरे विचार नहीं लाना चाहिए। उक्त उद्गार इटावा स्थित 1008 श्री नांभिनंदन दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास कर रहे परम पूज्य आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागर एवं समय सागर महाराज के शिष्य मुनि श्री सुब्रत सागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कही। आगे उन्होंने कहा कि मन में आए हुए बुरे विचार हमें मानसिक रोगी बनाते हैं। साथ-साथ में शारीरिक रोगी बनाकर हमारे शरीर की क्षमताओं को काम करके पीछे धकेलते हैं, इसलिए आगे बढ़ाने वाले लोग अपने मन से भी किसी का बुरा नहीं सोचते। मुनि श्री ने आज रविवार के दिन रविवारीय सभा को संबोधित करते हुए कहा की अगर हम अपने जीवन में उन्नति करना चाहते हैं तो वास्तव में सबसे पहले हमें अपने मन को मजबूत बनाना होगा। मन मजबूत बनेगा तो हमारे वचन भी मजबूत होंगे और वचनों की मजबूती के साथ हमारा शरीर भी मजबूत होगा। उन्होंने आगे कहा कि जीवन और कुछ नहीं है मन वचन से बनाया गया सामूहिक उपक्रम है यदि हम मन वचन और शरीर को कमजोर बनाते हैं तो फिर हम लाख प्रयास कर ले हमारा जीवन मजबूत नहीं हो सकता। क्योंकि जीवन और कुछ नहीं है मन वचन और शरीर के मिलने का नाम ही है। मुनि श्री की आहार चर्या संपन्न हुई, मुनिश्री को आहार संतोष कुमार, मनीष कुमार, आर्य कुमार को प्रदान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

भैया-बहिनों ने तैयार की सुंदर-सुंदर राखियां भारतीय सैनिकों के लिए भेजी जाएंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीना

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में व्यक्तित्व विकास निर्माण दिवस के अंतर्गत राखी निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के भैया-बहिनों के द्वारा सुंदर-सुंदर और आकर्षक राखियां तैयार की गई। कार्यशाला के दौरान भैया-बहनों द्वारा तैयार की गई इन सभी राखियों को रक्षाबंधन पर्व के मौके पर भारतीय सैनिकों के लिए भेजी जाएगी। यह प्रतियोगिता प्राचार्य सुनील कुमार मुड़ौतिया के निर्देशन में समस्त आचार्य परिवार के द्वारा संपन्न हुई। जिसमें भैया बहनों ने उत्साह और रोचकता से इस कार्यशाला में हिस्सा लिया। प्राचार्य मुड़ौतिया ने बताया कि विद्यालय में प्रति दिवस भारतीय सैनिकों के कुशलक्षेम के लिए समस्त भैया-बहनों के द्वारा सैनिक वंदना की जाती है।

मां मोतीचूर के जल से भगवान शिव का हुआ महाभिषेक

हर-हर महादेव के जयकारे गूंजे नगर में निकली कांवड़ यात्रा

बीना। राजीव गांधी वार्ड स्थित वृंदावन धाम कॉलोनी में शिव शक्ति भक्त मंडल के द्वारा कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें बोल बम, हर हर महादेव के जयकारे के साथ करीब 4 किमी की कांवड़ यात्रा निकाली गई। कांवड़ यात्रा रविवार को सुबह वृंदावन धाम कॉलोनी शिव शक्ति मंदिर से प्रारंभ होकर देव रघुनाथ ट्रस्ट बड़ा मंदिर स्थित मां मोतीचूर नदी पहुंची। जहां पर कांवड़ का पूजन कर मां मोतीचूर के पवित्र जल को भर कर कांवड़ यात्रा वापस हुई। जो अंबेडकर तिराहा, सर्वोदय चौक, गांधी तिराहा, ओवर ब्रिज होते हुए शिव मंदिर पर पहुंची। जहां पर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का महाभिषेक किया और पूजा आरती कर प्रसाद वितरण किया। कांवड़ यात्रा के दौरान माहौल शिवमय रहा। महिला,पुरुष एवं बच्चे पीले वस्त्रों को धारण कर कांवड़ को कांधे पर उठाए बोल बम, हर हर महादेव के जयकारे के साथ डीजे पर भगवान शिव के भजनों पर थिरकते हुए पैदल चल रहे थे। लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर कांवड़ यात्रा का स्वागत किया। कांवड़ यात्रा का सर्वोदय चौक पर सुनील सिरोठिया, जगदीश पाराशर एवं गांधी तिराहा के पास विधायक निर्मला सप्रे ने अपने कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

पीयूष ओसवाल जैन दानवीर सम्मान से किए सम्मानित

बीना। मुनि श्री सुब्रत सागर जी की प्रेरणा से नगर में बनने जा रहे सबसे विशाल मूर्ति वाले तीर्थ क्षेत्र श्री विधा सुव्रत धाम के लिए सम्पूर्ण भूमि एक एकड़ पैंतीस डिसमिल जिसकी कीमत करीब एक करोड़ से अधिक है। उदार मन से दान देने वाले शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवी पीयूष ओसवाल और उनकी धर्मपत्नी मधु ओसवाल को मुनि श्री के सानिध्य में चातुर्मास कलश स्थापना के अवसर पर सम्पूर्ण भारत भर से पधारे जैन भक्तों के बीच मुनिश्री के सानिध्य विधा सुब्रत चातुर्मास समिति द्वारा इटावा जैन मंदिर के भव्य सभागार में संगीत की मधुरम ध्वनियों के साथ श्री जैन को दानवीर उपाधि प्रदान की गई। जैन समाज की महान उपाधि से विभूषित होना बहुत ही बड़ी बात होती है। इस अवसर पर सम्पूर्ण नगर वासियों ने इस दान की खूब अनुमोदना करते हुए ओसवाल दंपति को बधाई दी। बधाई देने वालों में विधायक निर्मला सप्रे, पूर्व जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया, पूर्व मंत्री प्रभुसिंह ठाकुर, वीरसिंह यादव, पूर्व विधायक महेश राय, डॉक्टर विनोद पंथी, धरमू राय, नपा अध्यक्ष लता सकवार, उपाध्यक्ष रमाकांत बिलगैया, नगर सेठ राजेश सिंघई, नानू मिडला, अशोक जैन वकील, तारण समाज अध्यक्ष राजेश जगतसाब सहित सैकड़ों मित्रों ने बधाई दी। उक्त जानकारी विधा सुब्रत धाम के प्रवक्ता सुनील समैया ने दी।